Paper - V

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - V

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।

(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।

(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 : गद्य

12 अंक

प्र.1. (क) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनानुसार निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए । (6)

काले घने पर छोटे कटे हुए बाल, चौड़ा मुख, चौड़ा माथा, घनी भृकुटियों के नीचे बड़ी आँखें, मुख के अनुपात में कुछ भारी नाक, कुछ गोलाई लिए चौड़ी ठुड्डी, कुछ मोटे पर सुडौल ओंठ, श्यामल झाँई देता हुआ गेहुआँ वर्ण, बड़ी - बड़ी ग्रामीणों जैसी मूँछें जो ऊपर के ओंठ को ही नहीं ढँक लेती थीं, नीचे के ओंठ पर भी रोमिल आवरण डाले हुए थीं । हाथ, पैर, शरीर सबमें लंबाई की ऐसी विशेषता थी जो दृष्टि को अनायास आकर्षित कर लेती थी ।

उनकी वेशभूषा की ग्रामीणता तो और भी दृष्टि को उलझा लेती थी । खादी की मोटी धोती ऐसा फेंटा देकर बाँधी गई थी कि एक ओर दाहिने पैर पर घुटना छूती थी । और दूसरी ओर बाएँ पैर की पिंडली। मोटे, खुरदुरे, काले बंद गले के कोट में ऊपर का भाग, बटन टूट जाने के कारण खुला था और घुटने के नीचे का बटनों से बंद था । सर्दी के दिनों के कारण पैरों में मोजे जूते तो थे, परंतु कोट और धोती के समान उनमें भी विचित्र स्वच्छंदतावाद था । मिट्टी की परत से न जूतों के रंग का पता चलता था, न रूप का । गांधी टोपी की स्थिति तो और भी विचित्र थी । उसकी आगे की नोक बाईं भौंह पर खिसक आई थी और टोपी की कोर माथे पर पट्टी की तरह लिपटी हुई थी । देखकर लगता था मानो वे किसी हड़बड़ी में चलते - चलते कपड़े पहनते आए हैं, अत: जो जहाँ जिस स्थिति में अटक गया, वह वहीं उसी स्थिति में लटका रह गया ।

1) आकलन कृति

संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

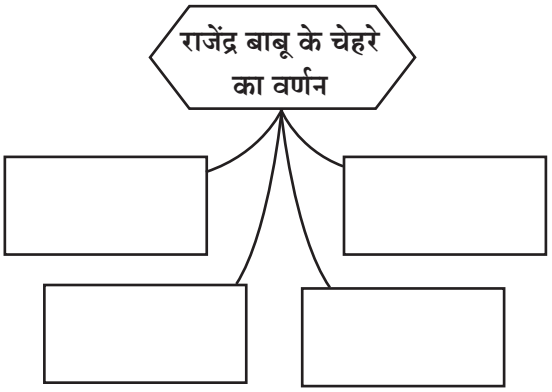

2) शब्द संपदा

निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए। **2**

i) धोती ii) टोपी

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

'व्यक्तित्व का आईना होती है वेशभूषा।' विषय पर अपने विचार लिखिए।

प्र.1. (ख) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर सूचनानुसार निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **(6)**

अपने को तो भाई साहब, रेल की खिड़की से दुनिया देखने में बड़ा मजा आता है, ऐसे लगता है जैसे शीशे में से डिब्बेवाला बाइस्कोप देख रहे हों ।

लेकिन कोई देखने दे तब तो ! जैसे ही आपने पाँव रखा और अपनी सीट पर बैठे कि सामने की सीट पर बैठा यात्री आपके झोले में से झाँकते अखबार की ओर देखकर पूछेगा, ''क्या मैं इसे ले सकता हूँ ?''

भले ही आपने उसे अभी - अभी खरीदा हो और खोलकर पढ़ना तो दूर पन्ने पलटकर भी न देखा हो; लेकिन आपके उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना अखबार सामने वाले के हाथों में होगा। अब आपकी स्थिति माँगने वालों की हो जाएगी और आप उत्सुकता से राह देखेंगे कि समाचारपत्र अब लौटे कि तब। तभी वे सज्जन एक जम्हाई लेकर उसे बेतरतीबी से मोड़ते हुए किसी दूसरे माँगने वाले की ओर इस तरह शान से बढ़ा देंगे मानो समाचारपत्र आपका नहीं ; उनकी निजी संपत्ति हो । देखते - देखते समाचारपत्र के पन्ने एक - दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बे के चक्कर काटने लगेंगे । मजे की बात यह है कि एक समाचारपत्र के कितने उपयोग हो सकते हैं, इसका अंदाज रेल की यात्रा करते समय ही लगाया जा सकता है। कोई ललित निंबध के तो कोई संपादकीय पन्ने से अपनी सीट झाड़ता नजर आएगा । कोई समाचारपत्र फैलाकर उसपर भोजन करता दिखाई पड़ेगा । बेचारे समाचारपत्रवाले ने भी कभी सोचा नहीं होगा कि उसके पत्र के इतनें उपयोग हो सकते हैं ।

1) आकलन कृति

i) **गद्यांश पढ़कर ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों -** **1**

(1) दुनिया (2) यात्री

ii) **समझकर लिखिए।** **1**

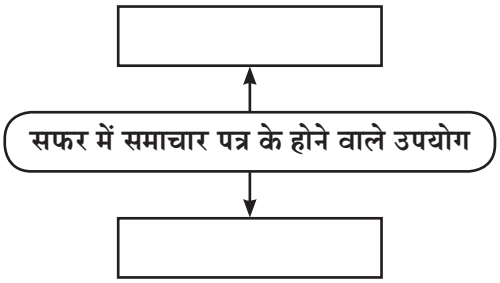

2) शब्द संपदा

i) गद्यांश में से शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए। **1**

ii) परिच्छेद में प्रयुक्त श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए। **1**

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

'समाचारपत्र की आवश्यकता' विषय पर अपने विचार लिखिए।

विभाग 2 : पद्य

10 अंक

प्र.2. (च) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

उड़ा पखेरू
देखता रह गया
ठगा - सार तरु ।

डाकिया चला
बाँटने सुख - दुख
भर के झोला ।

मैया की आई
वृद्धाश्रम से चिट्ठी
कैसे हो बेटा ।

हो गई चोरी
संस्कारों की तिजोरी
लुट गया मैं ।

1) आकलन कृति

i) **उचित शब्द लिखिए ।** **1**

(1) सुख-दुख बाँटने वाला -

(2) वृद्धाश्रम से चिठ्ठी भेजने वाली -

ii) **पद्यांश पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों -** **1**

(1) वृद्धाश्रम (2) संस्कारों

2) शब्द संपदा

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए। **1**

i) चिट्ठी ii) झोला

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

'बढ़ती संस्कारहीनता' विषय पर अपने विचार लिखिए।

प्र.2. (छ) पद्यांश पढ़कर दी गई सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(5)**

कार्य थल को वे कभी नहिं पूछते 'वह है कहाँ',
कर दिखाते हैं असंभव को वही संभव यहाँ,
उलझनें आकर उन्हें पड़ती हैं जितनी ही जहाँ,
वे दिखाते हैं नया उत्साह उतना ही वहाँ ।

सब तरह से आज जितने देश हैं फूले - फले,
बुद्धि - विद्या, धन - विभव के हैं जहाँ डेरे डले,
वे बनाने से उन्हीं के बन गए इतने भले,
वे सभी हैं हाथ से ऐसे सपूतों के पले ।

1) आकलन कृति

i) **संजाल पूर्ण कीजिए।** **1**

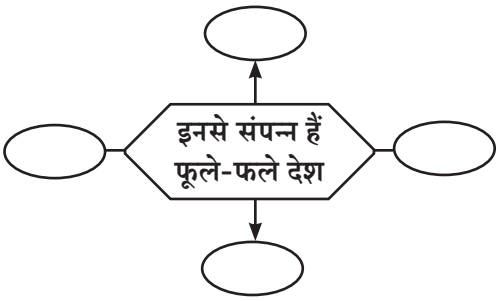

ii) **पद्यांश पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों ।** **1**

(1) कर्मवीर (2) कार्यस्थल

2) शब्द संपदा

कविता में इस अर्थ में आए शब्द लिखिए। **1**

i) कर्मभूमि ii) अच्छे पुत्र

3) स्वमत अभिव्यक्ति **2**

'कर्म ही पूजा है, कर्म ही श्रेष्ठ है।' विषय पर अपने विचार लिखिए।

विभाग 3 : व्याकरण

10 अंक

प्र.3. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) निम्नलिखित शब्दों में से मानक वर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए । 1

i) मुश्कील / मुशकील / मुश्किल / मुष्कील

ii) परसिद्ध / प्रसिद्ध / प्रसीध्द / प्रसिध्ध

2) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए । 1

परंतु

3) i) **काल परिवर्तन कीजिए ।** 1

मुझे देखते ही चाय हाजिर कर देती है। (पूर्ण वर्तमानकाल)

ii) **काल पहचानिए ।** 1

बासी पूरी-कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर ताजा के नाम पर बेचते थे।

4) i) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1

बिना सिर-पैर की बातें करना

ii) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** 1
(कान लगाकर सुनना, आँखों का तारा, आसमान सर पर उठाना, खरी-खोटी सुनाना)

बच्चे अपनी माँ को बहुत प्यारे लगते हैं।

5) i) **निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।** 1

संधि विच्छेद	संधि शब्द	संधि भेद
दु: + लभ		

ii) **निम्नलिखित शब्दों का विच्छेद कीजिए और भेद संधि लिखिए।** 1

शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
सज्जन		

6) i) **निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के अनुसार भेद लिखिए।** 1

इस बात के लिए ये गाँववाले ही जिम्मेदार हैं।

ii) **सूचना के अनुसार वाक्य का प्रकार बदलिए ।** 1

उसने अपने मित्र का पुस्तकालय खरीदा। (मिश्र वाक्य)

विभाग 4 : रचना

18 अंक

प्र.4. अ)

1) निम्नलिखित में से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । 4

विकासपुर, थाना में कचरे के डिब्बे में भरा कचरा सड़ रहा है। अत: वहाँ के निवासी त्रस्त हैं। इस संदर्भ में प्रियांश/प्रियांशी जोशी, स्वास्थ्य अधिकारी, नगर परिषद, थाना को शिकायत पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

कृतिका वर्मा, १८३ गाँधी नगर, लखनऊ के निवासी हैं। अपने मित्र इंद्रभूषण, ११-ए, विजयनगर, दिल्ली को नव वर्ष पर शुभकामना-पत्र लिखती है।

2) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन कीजिए । (लगभग ८० से १०० शब्द) **4**

मुद्दे : एक व्यापारी का व्यापार करने हेतु गाँव-गाँव घूमना ..... पेड़ की छाँव में विश्राम करना ..... बड़े पेड़ पर लगे छोटे फल देखकर ईश्वर की कृति पर हँसना ..... एक फल का उसके सिर पर गिरना ..... फल छोटे होने के कारण चोट न आना ..... ईश्वर से क्षमा माँगना।

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर उसपर चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो ।

लोग आपस में एक-दूसरे पर विश्वास करते हैं और सुख-दु:ख में एक दूसरे के काम आते हैं तथा अपना जीवन व्यतीत करते हैं। वास्तव में विश्वास के कारण ही व्यक्ति को आत्मबल की प्राप्ति होती है और वह अपने कार्य में रुचि लेता है। मनुष्य किसी न किसी विश्वास के आधार पर परिश्रम करता है। वह विश्वास सुख पाने का भी हो सकता है। इसके अतिरिक्त, मनुष्य के आपसी विश्वास के कारण ही यह संसार चल रहा है। विश्वास व्यक्ति में एक नई स्फूर्ति, एक नई चेतना का संचार करता है। वह विश्वास के बल पर ही अधिक उन्नत करने के विषय में सोचता है। विश्वास से ही व्यक्ति जीवन को सुखमय बनाने में शक्ति पाता है। विश्वास से ही वह गतिशील होता है। संसार के राष्ट्र भी पारस्पारिक विश्वास के आधार पर ही एक-दूसरे की सहायता करते हैं। वस्तुत: मनुष्य की मनुष्यता ही विश्वास का आधार है।

प्र.4. आ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए । (लगभग ५० से ६० शब्द) **4**

अपने विद्यालय में आयोजित की जानेवाली क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का आयोजक के नाते विज्ञापन तैयार कीजिए।

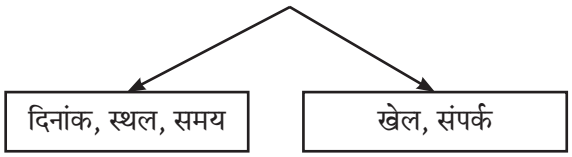

प्र.4. इ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग ७० से ८० शब्द) **6**

1) 'मैं पंछी बोल रहा हूँ...' 2) मेरा प्रिय खिलाड़ी

Best Of Luck